समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

चुनाव से पहले भाजपा मे खिंचाव ? Devendra Fadnavis और Eknath Shinde ने की अलग-अलग रैलियाँ

Publisher

Published on 02 Dec 2025

चुनाव से ठीक पहले महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। राज्य में भाजपा गठबंधन के दो बड़े नेता, Devendra Fadnavis और Eknath Shinde, ने अलग-अलग रैलियाँ आयोजित कीं, जिससे गठबंधन के भीतर खिंचाव की चर्चाएँ बढ़ गई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह स्थिति आने वाले चुनाव के नतीजों और गठबंधन की रणनीतियों पर असर डाल सकती है।

राज्य में चुनावी माहौल पहले से ही गर्म है, और दोनों नेताओं की अलग-अलग रैलियों ने राजनीतिक गलियारे में अटकलों को जन्म दिया है। Fadnavis ने अपने रैली में पार्टी की उपलब्धियों और विकास योजनाओं को उजागर किया, जबकि Eknath Shinde ने अपने क्षेत्र और समर्थकों के बीच अलग रणनीति और संदेश पेश किया। इस तरह की अलग-अलग गतिविधियों ने यह संकेत दिया कि गठबंधन के भीतर नेतृत्व और वोट बैंक को लेकर संभावित मतभेद हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह खिंचाव चुनावी रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है। दोनों नेता अपने-अपने प्रभाव क्षेत्रों में मतदाताओं को सीधे जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इससे यह भी पता चलता है कि गठबंधन के भीतर नेताओं की भूमिकाएँ और प्राथमिकताएँ स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं हैं, और चुनाव से पहले इसे लेकर अंदरूनी चर्चाएँ तेज हो गई हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के अलग-अलग रैलियों का प्रभाव मतदाताओं पर भी पड़ सकता है। जहां एक ओर पार्टी का संगठन और संदेश एकता का प्रतीक होना चाहिए, वहीं इस तरह की घटनाएँ गठबंधन के भीतर असहमति की झलक दिखाती हैं। चुनाव विशेषज्ञ इसे पार्टी के लिए चुनौती भी मान रहे हैं, क्योंकि मतदाता इन संकेतों को पढ़ सकते हैं और चुनावी परिणाम प्रभावित हो सकते हैं।

इसके अलावा, मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर भी इन रैलियों और खिंचाव को लेकर चर्चा जोरों पर है। समर्थक और

विपक्ष दोनों ही इसे राजनीतिक रणनीति और गठबंधन की मजबूती या कमजोरी के दृष्टिकोण से देख रहे हैं। राजनीतिक संवाददाता यह भी मानते हैं कि आने वाले दिनों में नेताओं के भाषण, मीडिया इंटरव्यू और रैलियों का विश्लेषण पार्टी की दिशा और चुनावी रणनीति को समझने में मदद करेगा।

राजनीतिक पंडितों का कहना है कि Devendra Fadnavis और Eknath Shinde की अलग-अलग गतिविधियों से गठबंधन की रणनीति पर सवाल उठ सकते हैं, लेकिन यह भी संभावना है कि चुनाव के दौरान अंतिम समय में रणनीति एकीकृत रूप से सामने आए। दोनों नेताओं की अलग-अलग रैलियाँ चुनावी माहौल को गर्म करने और मतदाताओं के बीच पार्टी की सक्रियता को दिखाने का एक तरीका भी हो सकता है।

चुनाव से ठीक पहले भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं द्वारा आयोजित अलग-अलग रैलियों ने महाराष्ट्र की राजनीति में खिंचाव की चर्चाएँ तेज कर दी हैं। यह घटनाक्रम गठबंधन की रणनीतियों और चुनावी परिणामों पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। राजनीतिक हलचल, नेताओं की गतिविधियाँ और मतदाताओं की प्रतिक्रिया आने वाले दिनों में राज्य के चुनावी परिदृश्य को नया आकार दे सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.